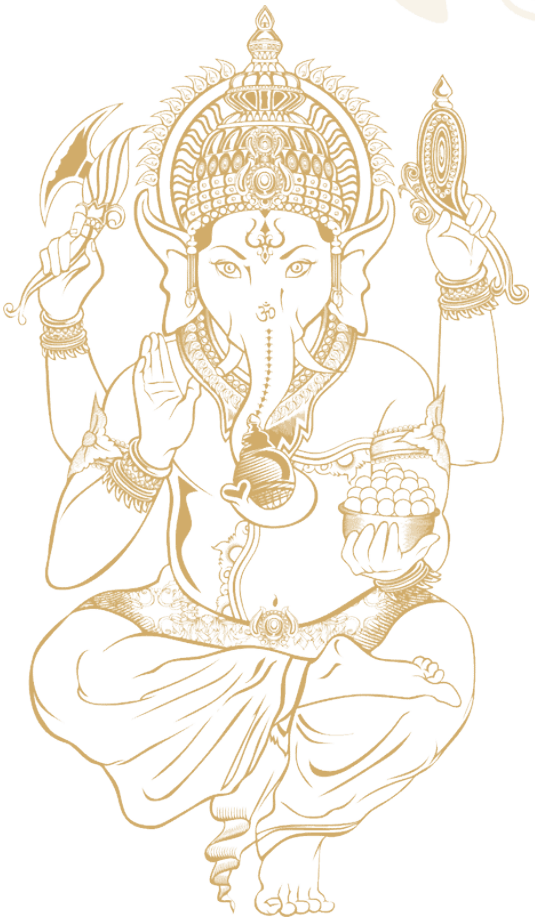

Nisu

05 Sep 2004

08:40 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121686006

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/09/2004**
दिन	रविवार
जन्म समय	**08:40:00 घंटे**
इष्ट	06:36:52 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:18:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:21 घंटे
साम्पातिक काल	07:17:09 घंटे
सूर्योदय	06:01:15 घंटे
सूर्यास्त	18:37:43 घंटे
दिनमान	12:36:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:58:34 सिंह
लग्न के अंश	23:02:00 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्याघात
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईशा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	23:02:00	315:54:04	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	---
सूर्य			सिंह	18:58:34	00:58:10	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृष	02:25:48	12:07:53	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
मंगल		अ	सिंह	22:25:44	00:38:21	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध			सिंह	02:17:45	00:22:19	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	01:46:14	00:12:47	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	04:09:43	01:03:51	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
शनि			मिथु	29:55:04	00:05:59	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
राहु			मेष	09:26:53	00:01:14	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु			तुला	09:26:53	00:01:14	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	10:33:47	00:02:22	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप	व		मक	19:18:09	00:01:22	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	25:37:53	00:00:10	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मिथु	23:52:36	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:11

लग्न-चलित

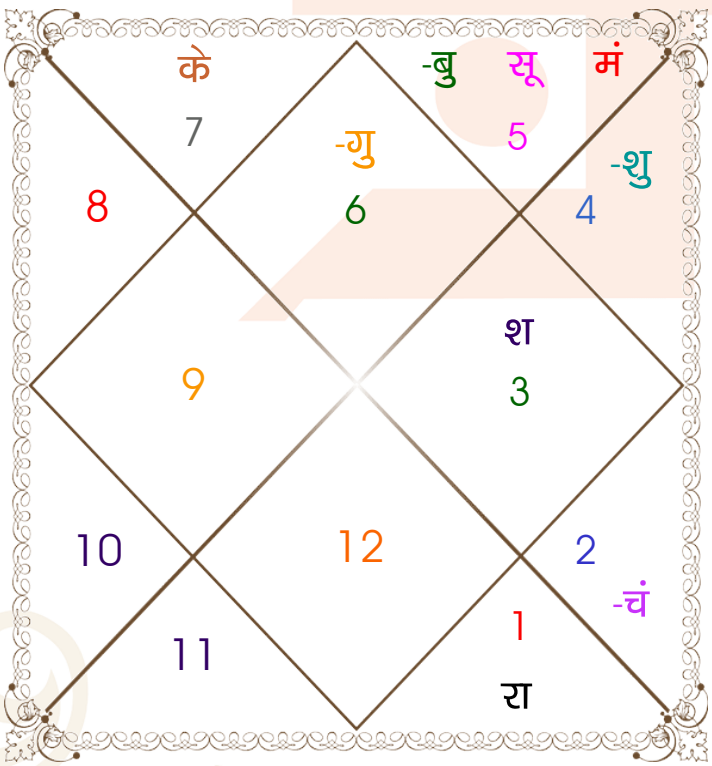

चन्द्र कुंडली

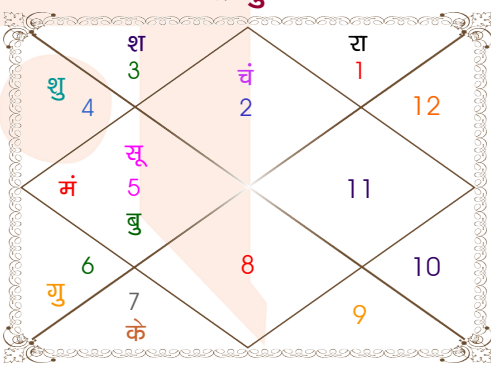

नवमांश कुंडली

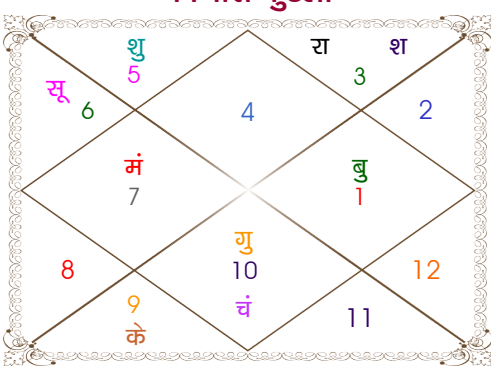

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 4 मास 26 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/09/2004		01/02/2008		01/02/2018		31/01/2025		01/02/2043	
01/02/2008		01/02/2018		31/01/2025		01/02/2043		01/02/2059	
	00/00/0000	चंद्र	01/12/2008	मंगल	30/06/2018	राहु	15/10/2027	गुरु	21/03/2045
	00/00/0000	मंगल	03/07/2009	राहु	18/07/2019	गुरु	09/03/2030	शनि	02/10/2047
	00/00/0000	राहु	01/01/2011	गुरु	23/06/2020	शनि	13/01/2033	बुध	07/01/2050
	05/09/2004	गुरु	02/05/2012	शनि	02/08/2021	बुध	02/08/2035	केतु	14/12/2050
गुरु	08/12/2004	शनि	02/12/2013	बुध	30/07/2022	केतु	20/08/2036	शुक्र	14/08/2053
शनि	20/11/2005	बुध	03/05/2015	केतु	26/12/2022	शुक्र	21/08/2039	सूर्य	02/06/2054
बुध	26/09/2006	केतु	02/12/2015	शुक्र	25/02/2024	सूर्य	14/07/2040	चंद्र	02/10/2055
केतु	01/02/2007	शुक्र	02/08/2017	सूर्य	02/07/2024	चंद्र	13/01/2042	मंगल	07/09/2056
शुक्र	01/02/2008	सूर्य	01/02/2018	चंद्र	31/01/2025	मंगल	01/02/2043	राहु	01/02/2059

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/02/2059		01/02/2078		01/02/2095		02/02/2102		02/02/2122	
01/02/2078		01/02/2095		02/02/2102		02/02/2122		00/00/0000	
शनि	04/02/2062	बुध	29/06/2080	केतु	30/06/2095	शुक्र	03/06/2105	सूर्य	22/05/2122
बुध	14/10/2064	केतु	26/06/2081	शुक्र	29/08/2096	सूर्य	03/06/2106	चंद्र	21/11/2122
केतु	23/11/2065	शुक्र	26/04/2084	सूर्य	04/01/2097	चंद्र	02/02/2108	मंगल	29/03/2123
शुक्र	22/01/2069	सूर्य	03/03/2085	चंद्र	05/08/2097	मंगल	03/04/2109	राहु	20/02/2124
सूर्य	04/01/2070	चंद्र	02/08/2086	मंगल	01/01/2098	राहु	03/04/2112	गुरु	06/09/2124
चंद्र	06/08/2071	मंगल	30/07/2087	राहु	20/01/2099	गुरु	03/12/2114		00/00/0000
मंगल	13/09/2072	राहु	16/02/2090	गुरु	27/12/2099	शनि	02/02/2118		00/00/0000
राहु	21/07/2075	गुरु	24/05/2092	शनि	04/02/2101	बुध	02/12/2120		00/00/0000
गुरु	01/02/2078	शनि	01/02/2095	बुध	02/02/2102	केतु	02/02/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 5 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काणा भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करती रहती हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझती हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाती कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेती हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाती हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगती हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगी।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देती हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरूद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा पति चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगी। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगी।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।